

(1) तेजाजीराम किस राजा के दरबारी थे ?

- (i) ^{राजा} कृष्णदेव राय (ii) ^{राजा} कृष्णचंद्र राय
 (iii) राजा मानसिंह (iv) राजा जयचंद्र

2) राजा कृष्णदेव राय ने शक बाद अपने ^{जान} उपहार पर क्या धौषणा की ?

- (i) सभी दरबारी अपने मनपसंद उपहार ले सकते हैं।
 (ii) सभी दरबारी को दो घोड़े मिलेंगे।
 (iii) सभी दरबारी को दो हाथी मिलेंगे।
 (iv) सभी दरबारियों को शक विद्या जमीन सौंपी जायेगी।

3) दरबारियों के बीच किस बात की होड़ लग गई थी ?

- (i) राजा को देखने की।
 (ii) राजा से उपहार लेने की
 (iii) राजा को उपहार भेंट करने की।
 (iv) राजा को ~~सुबा~~ वधाइयाँ देने की।

4) राजा कृष्णदेव राय ने क्या शर्त रखी ?

- (i) शक दरबारी जो उपहार मांगें दूसरा दरबारी उसे न मांगे
 (ii) सभी दरबारी शक ही ^(समान) उपहार मांगें
 (iii) सिर्फ दस दरबारियों को उपहार मिलेंगे।
 (iv) पुत्रियों जिन में जो दरबारी जीसेजा सिंह उसे ही ~~उपहार~~ उपहार मिलेंगा।

(5) तेनालीराम राजा से उपहार लेने कब पहुँचा ?

(i) सबसे पहले (ii) राजा के जन्मदिन से एक दिन पहले

(iii) सबसे अंत में (iv) राजा के जन्मदिन के दूसरे दिन //

(6) जब अंत में तेनालीराम पहुँचे उपहार लेने तब महाराज ने उन्हें क्या कहा ?

- (i) आप यहाँ क्यों पहुँचे हैं ?
- (ii) आप तो आज नहीं आने वाले थे।
- (iii) आप का उपहार मैं अलग से दूँगा।
- (iv) आप कहाँ रह जायें ?

(7) तेनालीराम ने उपहार प्राकृत क्या किया ?

- (i) तेनालीराम उपहार को खुश होकर देखने लगे।
- (ii) तेनालीराम ने उपहार को प्राकृत नामा-जाना शुरू किया।
- (iii) अपनी पगड़ी उतारी तथा उससे थाली को ढँकी।
- (iv) इनमें से कोई नहीं।

(8) तेनालीराम को थाली ढँकने से पगड़ी से ढँकने देखकर कौन आश्चर्य से प्रश्न किया ?

- (i) दरबारीजण (ii) राजा (iii) राज्य का प्रजा (iv) महारानी

(9) तेनालीराम ने थाली ढँकने का क्या कारण बताया ?

- (i) ताकि नगरवासी उससे ईर्ष्या न करें (ii) ताकि नगरवासी यह न समझें कि राजा के पास खाली थाली ही बची थी

(iii) ताकि नगरवासी राजा से आकर वैसी थाली न माँगे (iv) इनमें से कोई नहीं

(10) तेनालीराम की पतुलाई को देखकर राजा दरबारियों की क्या हालत हुई ?

- (i) दरबारी फटी-फटी आँखों से तेनालीराम को देखने लगे।
- (ii) दरबारी लज्जा से अपना मुँह छिपाने लगे।